

No. of Printed Pages : 7

IBO-04

**POST GRADUATE DIPLOMA IN
INTERNATIONAL BUSINESS
OPERATIONS/MASTER OF
COMMERCE (PGDIBO/M.COM)**

Term-End Examination

December, 2020

**IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND
DOCUMENTATION**

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer *both* the Parts—Part A and Part B.

Part—A

1. Comment on any ***four*** of the following :

$5 \times 4 = 20$

- (i) International trade is the engine of economic growth.
- (ii) Export documents are indispensable in any export-import transaction.

Lot-I

P. T. O.

- (iii) All partners in a letter of documentary credit deal in documents only.
- (iv) ECGC enhances the credit worthiness of export transactions and also the exporter.
- (v) The cardinal principle of about insurance claim is that the insured has to fulfill clearly defined responsibility.
- (vi) The Central Excise Act, 1944 and the Centre Excise Rules, 2000 incorporate a variety of schemes designed with a single purpose that excisable goods to be exported should not be burdened with excise duties.

Part—B

Note : Answer any *four* of the following questions.

2. Discuss the recent trends in India's foreign trade stating, its composition and direction. Have any significant changes taken place during the last ten years ? Explain. 15 + 5
3. Discuss the duties of an exporter under FOB and CIF contracts. 10 + 10

4. Explain the various steps along with related documents involved in exports from receipt of export order till realisation of export proceeds.

20

5. Discuss the relevance of Export Credit and Guarantee Corporation (ECGC) in export promotion. How does it help the exporters ? Explain giving suitable illustrations in support of your answer.

10 + 10

6. What is involved in Central Excise Clearance of export cargo ? Discuss in detail the procedure and related documentation.

10 + 10

7. Write short notes on any *two* of the following :

10 + 10

- (a) Marine Insurance Contract
- (b) Forward Exchange Cover
- (c) Shipping Bill
- (d) Electronic Commerce

IBO-04

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
(पी. जी. डी. आई. बी. ओ./एम. कॉम.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया व प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' दोनों कीजिए।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए :

5 × 4 = 20

- (i) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार आर्थिक विकास का इंजन है।
- (ii) किसी भी निर्यात-आयात लेन-देन में निर्यात प्रलेख अपरिहार्य हैं।

- (iii) प्रलेखीय साख पत्र के सभी पक्षकार प्रलेखों में ही सौदा करते हैं।
- (iv) निर्यात ऋण तथा गारंटी निगम (ई. सी. जी. सी.) साख योग्यता तथा निर्यातक की योग्यता को बढ़ाता है।
- (v) बीमा दावों के लिए मूलभूत सिद्धान्त है कि बीमाकृत व्यक्ति स्पष्ट रूप से परिभाषित उत्तरदायित्वों को पूरा करे।
- (vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2000 में विभिन्न योजनायें शामिल हैं जिनका एकमात्र उद्देश्य है कि उत्पाद शुल्क योग्य जिन वस्तुओं का निर्यात करना है उन पर उत्पाद शुल्क का भार न पड़े।

खण्ड-ब

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. भारत के विदेशी व्यापार की रचना व दिशा बताते हुए इसमें नई प्रवृत्तियों की व्याख्या कीजिए। क्या पिछले दस

वर्षों में इसमें कोई महत्वपूर्ण बदलाव आया है?
समझाइए। 15 + 5

3. पोत तल पर निःशुल्क अनुबंध (FOB) और लागत बीमा तथा भाड़ा अनुबंध (CIF) के अन्तर्गत एक निर्यातक के कर्तव्यों की व्याख्या कीजिए। 10 + 10
4. निर्यात के लिये, निर्यात आदेश की प्राप्ति से लेकर निर्यात आय की प्राप्ति तक के विभिन्न चरणों तथा प्रलेखों की व्याख्या कीजिए। 20
5. निर्यात संवर्धन में निर्यात साख गारंटी निगम (ECGC) के औचित्य की व्याख्या कीजिए। यह निर्यातकों की किस प्रकार सहायता करता है? अपने उत्तर के समर्थन में उपयुक्त उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए। 10 + 10
6. निर्यात माल के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निकासी में क्या-क्या शामिल हैं? इसकी प्रक्रिया तथा इससे सम्बन्धित प्रलेखों की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 10 + 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

10 + 10

- (क) समुद्री बीमा अनुबंध
- (ख) वायदा विनिमय रक्षा
- (ग) जहाजी बिल
- (घ) इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स